Date
21-04-2020

B.Ed- IInd year

Sub-Work "Education Gandhiji's Nai Talim & Community Engagement"

टैगोर के अनुसार पाठ्यक्रम → इनका पाठ्यक्रम पिछले प्रकरण में गाँधी जी के पाठ्यक्रम से मिलता जुलता ही है।

शिक्षण विधियाँ →

I. क्रिया विधि ⇒

II. प्रत्यक्ष विधि ⇒

III. भ्रमण के समय पढ़ाने की विधि ⇒

IV. स्वाध्याय एवं प्रयोग विधि ⇒

V. वाद-विवाद एवं प्रश्नोत्तर विधि ⇒

विद्यालय ⇒ विद्यालय को टैगोर ने प्राचीन काल गुरुकुलों की तरह प्रकृति की गोद में होने के पक्षधर थे। उनका मत था कि गुरुकुल प्रकृति के सुन्दर वातावण में जहाँ कोई प्रदूषण व हलचल से दूर होना चाहिए।

Scanned with CamScanner

शिक्षक ⇒ टैगोर ने प्रकृतिवादी शिक्षक को प्राथमिकता दी है।
एक शिक्षक को प्रकृतिवाद के गुणों को ध्यान में रखकर
ही व्यवहार करना चाहिए।

बालक ⇒

अनुशासन ⇒

Scanned with CamScanner